प्रेस विज्ञप्ति

5 सितम्बर 2021

शिक्षक दिवस के अवसर पर गोरखनाथ ब्लड बैंक परिसर मे रक्तदान शिविर का आयोजन।

स्वतंत्र भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति, प्रसिद्ध शिक्षाविद् डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी का जन्मदिन प्रतिवर्ष समूचे देश द्वारा शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है ! इतिहास की ओर अपनी जिज्ञासु दृष्टि डालने पर पता चलता है कि सिकंदर के उत्तराधिकारी सेनापति सैल्यूकस और सम्राट चन्द्रगुप्त के बीच का संघर्ष केवल इन दो राजाओं का निजी संघर्ष नहीं था ! वह संघर्ष था दो महान गुरुओं की प्रज्ञा-चेतना का, दो महान गुरुओं के अस्तित्व का ! एक थे सामान्य किन्तु विलक्षण, भारतीय युवा-गुरु, तक्षशिला-स्नातक 'चाणक्य' और दूसरे थे यूनान के कुल-गुरु, राजवंशियों के ज्ञान-स्रोत 'अरस्तू' ! परिणाम सामने था ! यहीं वह समय था जब वैश्विक पटल पर भारतीय गुरु-परंपरा के प्रति आदर और भय का जन्म हुआ। मैकाले और उसके मानस-पुत्रों ने भारत को जो भीषण कष्ट दिए हैं उन में से एक यह भी है कि पूरी शिक्षा-पद्धति से षड्यंत्र-पूर्वक शिक्षक के गुरुत्व को लघुता की तरफ़ धकेलने की चेष्टा की गयी है ! ये बाते ब्लड बैंक प्रभारी डॉ अवधेश अग्रवाल ने बतायी और कहा की शिक्षक दिवस पर रक्त दान करना मानवता के क्षेत्र मे अहम योगदान हैं, शिक्षकों द्वारा प्राप्त ज्ञान से मानव कल्याण करना ही शिक्षकों को एक उचित दक्षिणा हैं।

केवल निर्मल मन वाला व्यक्ति ही जीवन के आध्यात्मिक अर्थ समझ सकता है स्वय के साथ ईमानदारी आध्यात्मिक अखण्डता की अनिवार्यता है इस रक्त दान शिविर मे श्री सचिन यादव, रामेश्वर, राकेश सिंह, अमन गुप्ता, ओमकार, राज कुमार, मनीष के साथ भारी संख्या मे लोगो ने रक्तदान किया।

सभी रक्तदाताओं को ब्लड बैंक द्वारा सम्मान स्वरूप प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया । वैश्विक महामारी कोविड को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम में सोशल डिस्टेंस, हैण्ड सैनिटाइजेशन तथा मास्क इत्यादि मानकों का अनुपालन करते हुए

कोविड़ अनुकूल व्यवहार का अक्षरशः पालन किया गया। रक्तदाताओ का चिकित्सीय परिक्षण, हीमोग्लोबिन, बी.पी पल्स, ब्लड ग्रुप इत्यादि जाँच की गई। शिविर के सफल आयोजन में तकनीशियन अमित मिश्रा राजीव तिवारी तूलिका आसुतोष विकास संदीप इत्यादि की प्रमुख भूमिका रही